is still struggling to maintain peak hour services at 15 minutes frequencies;

(b) if so, what steps are being taken to increase the frequencies in the Central Railway to bring it at par with the working of the Western Railway;

(c) whether Government are aware that cancellation of trains is a regular feature during peak hours in the Central Railway suburban section causing lot of inconvenience to the commuters; and

(d) if so, what steps are being taken to improve the services especially during the peak hours?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) The headway on Central Railway varies from 5.5 minutes to 7.5 minutes on the different corridors against around 5 minutes on Western Railway corridors.

(b) The steps to increase frequency of suburban trains comprise procurement of EMU coaches and works regarding signalling, level crossings, power supply system and a new car shed.

(c) and (d) There are 21 imported rakes on Central Railway, which were procured between 1951 and 1958. These rakes need replacement on age-cum-condition basis.

Due to shortage of EMU rakes and other unforeseen circumstances cancellation of regular services at times becomes unavoidable.

Orders have been placed on M/s. Jessops, Calcutta for 239 DC EMU coaches. There has been delay in supply of these coaches.

फाफामऊ रेलवे स्टेशन पर ओवर ब्रिज का निर्माण

353. **श्री राम पूजन पटेल** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इलाहाबाद जिले में फाफामऊ रेलवे स्टेशन के उत्तर रेलवे क्रासिंग पर लाखों रुपये की लागत से एक ओवर-ब्रिज बनाया गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि पैदल चलने वालों द्वारा भी इस पुल का उपयोग नहीं किया जा रहा है ;

(ग) यदि हां, तो सरकार ने उन अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाई की है जिन्होंने उसके निर्माण किये जाने की सिफारिश की थी और उसका निर्माण कराया था; और

(घ) इस वर्ष अर्ध कुम्भ मेले के अवसर पर उसकी मरम्मत पर कितना धन व्यय किया गया है और क्या सरकार इस संबंध में जांच कराने का विचार रखती है ?

रेल मंत्रालय में एवं संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से, (घ) निक्षेप शर्त पर उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर एक अस्थाई ऊपरी पैदल पुल का निर्माण किया गया था । 4.08 लाख रुपये की राशि की लागत वाले ऊपरी पैदल पुल का खर्च उत्तर प्रदेश सरकार ने वहन किया था । इस ऊपरी पैदल पुल का निर्माण जनवरी, 1977 में कुंभ मेले में आने वाले तीर्थ यात्रियों के उपयोग के लिये किया गया था । उत्तर प्रदेश सरकार की इच्छा थी कि इस ऊपरी पैदल पुल को बने रहने दिया जाये क्योंकि इस पुल को इस समय तोड़ना और अगले कुम्भ मेले के अवसर पर फिर से निर्माण करना मंहगा पड़ता और इस पर समय भी लगता । ऊपरी पैदल पुल को बने रहने देने या तोड़ने की आवश्यकता के बारे

में उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्णय करना है और रेल मंत्रालय द्वारा इस संबंध में किसी भी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का प्रश्न ही नहीं उठता । अर्ध-कुंभ मेले के अवसर पर इस पुल की मरम्मत पर कोई राशि खर्च नहीं की गयी थी और रेल प्रशासन किसी प्रकार की जांच पड़ताल करने का कोई इरादा नहीं रखता। इस पुल का उपयोग हाल ही में हुये अर्ध-कुंभ मेले के दौरान तीर्थ यात्रियों द्वारा किया गया था ।

रेलवे को बढ़िया किस्म के कोयले की आपूर्ति

354. **श्री कलराज मिश्र** : क्या रेल मंत्री 16 दिसम्बर, 1981 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 2168 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार, शाहगंज (जोनपुर) से बलिया तथा गोरखपुर, इलाहाबाद वाराणसी, भटिनी आदि बहुत कम दूरी के बीच चलने वाली रेल गाड़ियों के चलने में विलम्ब को कम करने के लिये बढ़िया किस्म के कोयले की आपूर्ति करने लगी है ; और

(ख) सरकार ने समाज विरोधी तत्वों के कारण रेलों के विलम्ब से चलने को रोकने के उद्देश्य से एहतियाती तौर पर क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय में एवम् संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) (क) पूर्वोत्तर रेलवे को घटिया किस्म का कोयला सप्लाई करने वाली कोयला खानों का नाम अब रेलवे ने अपने कार्यक्रम से निकाल दिया है । लदान स्थलों पर कोयले का निरीक्षण तेज कर दिया गया है और इस समय पूर्वोत्तर रेलवे को प्राप्त कोयले की किस्म कुल मिलाकर संतोषजनक है ।

(ख) गाड़ियों के विलम्ब से चलने के कारणों में से खतरे की जंजीर खींचना भी एक कारण है । इस बुराई को रोकने के लिये विभिन्न उपाय किये गये हैं जिन में विशेष दस्तों द्वारा चैकिंग में विस्तार और चुनिंदा बदनाम खंडों पर जंजीर को निरस्त करना भी शामिल है ।

कोयले की कमी के कारण रद्द की गई रेल गाड़ियों का पुनः चलाया जाना

355. **श्री कलराज मिश्र** : क्या रेल मंत्री 2 दिसम्बर, 1981 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1010 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) कोयले की कमी के कारण पूर्वोत्तर रेलवे के बरेली मंडल में जो रेल गाड़ियां रद्द कर दी गई थीं उनमें से कितनी रेल गाड़ियों को पुनः चलाया गया है ; और

(ख) पुनः चालू की गई एक्सप्रेस सवारी गाड़ियों का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में एवं संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) पूर्वोत्तर रेलवे के बरेली (इजतनगर) मंडल पर कोयले की कमी के कारण 28-11-81 को रद्द की गई सभी एक्सप्रेस/सवारी गाड़ियां पुनः चला दी गई है और 20-2-82 को इस मंडल पर कोयले की कमी के कारण कोई भी गाड़ी रद्द नहीं थी ।

पंचनद योजना की प्रगति

356. **श्री कलराज मिश्र** : क्या सिंचाई मंत्री 2 दिसम्बर, 1981 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 973 के दिये गये उत्तर को देखेंगे कि और यह बताने की कृपा करेंगे कि :